||जय गुरु नाना||

||जय महावीर ||

||जय गुरु राम ||

राम चमकते भानु समाना

कार्यसमिति बैठक

(सत्र 23-25)

स्थान – गंगाशहर–भीनासर

जिला – बीकानेर (राज.)

षष्ठम बैठक

सत्र-1
दिनांकः
29 अप्रैल 2025
समयः दोपहर
04 : 15 बजे से

सत्र-2
समयः रात्रि
08 : 15 बजे से

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री, प्रवृत्ति संयोजक, सह संयोजक, संयोजन मण्डल सदस्य, आंचलिक प्रभारी, कार्यसमिति सदस्यगण एवं विशेष आमंत्रित सदस्य

षष्ठम बैठक

दिनांकः
28 अप्रैल 2025
समयः रात्रि
08 : 15 बजे से

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्षा, राष्ट्रीय मंत्री, संभाग प्रमुखा, प्रवृत्ति संयोजिका, सह संयोजिका, कार्यसमिति सदस्या एवं विशेष आमंत्रित सदस्य

द्वितीय बैठक

दिनांकः
29 अप्रैल 2025
समयः दोपहर
04 : 15 बजे से

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन समता युवा संघ

आमंत्रित : शीर्ष पदाधिकारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मंत्री, राष्ट्रीय प्रभारी, राष्ट्रीय एवं आँचलिक प्रवृत्ति संयोजक, कार्यसमिति सदस्यगण, स्थानीय संघ/शाखा अध्यक्ष, एवं विशेष आमंत्रित सदस्य

निवेदक

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन महिला समिति **श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन समता युवा संघ**

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

राम चमकते भानु समाना

आमंत्रण पत्र

बैठक क्रमांक : 6/सत्र 2023–25 दिनांक : 28 मार्च 2025

कार्यसमिति बैठक

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की सत्र 2023–25 की षष्टम कार्यसमिति बैठक श्रीसंघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर पिता श्री नरेन्द्र जी गांधी के सभापतित्व में दिनांक 29 अप्रैल 2025, मंगलवार दोपहर 04:15 से केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित होनी प्रस्तावित है। जिसमें शीर्ष पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष/महामंत्री, सभी अचंलों के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/मंत्री, प्रवृति संयोजक, कार्यसमिति सदस्य, संयोजन मण्डल सदस्य व विशेष आमंत्रित सदस्य एवं श्री संघ के अर्न्तगत संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारी की उपस्थिति सादर आमंत्रित है।

कार्यसूची

1. प्रातः प्रवचन
2. मंगलाचरण (दोपहर 04:15 बजे)
3. विगत दिनांक 04 जनवरी 2025, कवर्धा (छ.ग.) में आयोजित कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि अंगीकृति व अनुमोदना।
4. नये आवेदकों को सदस्यता प्रदान करने की स्वीकृति। (सूची अनुसार)
5. प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुति। (16 दिसम्बर 2024 से 15 अप्रैल 2025)
6. आंचलिक एवं प्रवृत्ति प्रतिवेदन डिजीटली प्रस्तुति। (15 अप्रैल तक प्राप्त डाटा)
7. आगामी तीन माह के कार्य, लक्ष्य और उसे पूर्ण करने की योजना प्रस्तुतीकरण। (आंचलिक पदाधिकारी, प्रवृत्ति संयोजक व सह–संयोजक द्वारा)
8. 5:45 बजे सायंकालीन भोजन (गंगाशहर–भीनासर संघ)
9. सायंकाल देवसी प्रतिक्रमण
10. आगामी वित्त वर्ष 2025–26 हेतु परिचालन बजट की प्रस्तुति एवं चर्चा (रात्रि 8:15 बजे से)
11. अध्यक्षीय अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।
12. राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्‌बोधन।
13. चारित्रात्माओं के देवलोकगमन पर 4–4 लोगस्स का ध्यान।
14. आभार अभिव्यक्ति।
15. संघ समर्पणा गीत के साथ समापन।

–: विनीत :–

राष्ट्रीय महामंत्री

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

बैठक स्थल : केन्द्रीय कार्यालय, गंगाशहर, बीकानेर (राज.)।

नोट : 1. आंचलिक प्रतिवेदन एवं प्रवृत्ति प्रतिवेदन किसी भी आंचलिक पदाधिकारी/प्रवृत्ति संयोजक आदि को सभा में डिजीटली प्रस्तुत करवाने हेतु दिनांक 20 अप्रैल 2025 तक केन्द्रीय कार्यालय व्हाटसप्प नंबर 9602026899 पर जानकारी भिजवाने की कृपा करावें।
2. आगामी तीन महिनों हेतु किए जाने वाले कार्यों पर आंकडों सहित अपनी प्रस्तुति देने के लिए सभी आंचलिक पदाधिकारी, प्रवृत्ति, संयोजक/सह–संयोजक अपने नाम दिनांक 20 अप्रैल 2025 तक केन्द्रीय कार्यालय व्हाटसप्प नंबर 9602026899 पर जानकारी भिजवाने की कृपा करावें।

जय गुरु नाना　　　　जय महावीर　　　　जय गुरु राम

राम चमकते भानु समाना

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

सत्र 2023–25

कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त

बैठक क्रमांक – 5

स्थान : जी-श्याम पैलेस
कवर्धा (छ.ग.)
दिनांक : 04 जनवरी 2025
समय : दोपहर 11:45 बजे से

: प्रधान कार्यालय :

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर,

बीकानेर–334401 (राजस्थान), फोन नं. : 0151–2270261

www.sadhumargi.com, email : ho@sadhumargi.com

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

कालावधि	: 2023–25	बैठक क्रमांक	: 5
(अ) कुल सदस्य	: 301	दिनांक	: 04 जनवरी 2025
(ब) प्रतिभागी सदस्य	: 31	समय	: दोपहर 11:45 बजे से
(स) विशेष आमंत्रित	: 20	सुगमकर्ता	: राष्ट्रीय महामंत्री
कुल उपस्थिति (ब+स)	: 51	अनुपस्थित (अ–ब)	: 270
बैठक स्थल	: जी–श्याम पैलेस, कवर्धा (छ.ग.)		

कार्यसमिति बैठक के मुख्य बिन्दु

निर्णय

1. विगत कार्यसमिति की बैठक **(दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को ओरिका रिसोर्ट, भीलवाड़ा (राज.) में आयोजित)** के कार्यवृत्त की पुष्टि, अंगीकृति, अनुमोदना व स्वीकृति। (क्रम संख्या–2, पेज संख्या–2)
2. विगत कार्यसमिति बैठक से अब तक बने नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना व स्वीकृति। (क्रम संख्या–3 , पेज संख्या–2)
3. जिन श्रमणोपासक सदस्यों के संपर्क नम्बर नहीं होने, उनसे सम्पर्क नहीं हो पाने के कारण ऐसे सदस्यों को पत्रिका नहीं भेजने का निर्णय।
4. विहार समाचार की जानकारी संघ द्वारा नित्य ही उपलब्ध करवा दिए जाने के कारण अब इसे श्रमणोपासक में प्रकाशित नहीं करने का निर्णय ।
5. श्रमणोपासक को पाक्षिक से मासिक करने का निर्णय लिया गया ।
6. अन्य समाचारों के प्रकाशन हेतु एक समिति बनाकर गाइड लाइन तय कर निर्णय लेना ।
7. उदयपुर प्रॉपर्टी, जिसका पूर्व में हुए निर्णय के अनुसार कॉमर्शियल कन्वर्जन हो चुका है, वहाँ एक हिस्से में डवलपमेंट शुरू करने का निर्णय।
8. **Distacing Distances** नामक एक पायलट प्रोजेक्ट को रखकर हर तीन अंचलों के बीच केंद्र का एक जोनल ऑफिस खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा व सुझाव प्राप्त कर कार्य शुरू करने का निर्णय ।
9. महत्तम शिखर महोत्सव के अंतर्गत प्रवृतियों में कुछ विशेष कार्य करने का निर्णय।
10. इदं न मम् से प्रत्येक कमाने वाले सदस्य को जोड़ने हेतु एक रूपरेखा बनाने का निर्णय ।

अन्य बिन्दु

1. अध्यक्षीय अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा।

कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के गौरवशाली राष्ट्रीय अध्यक्ष

नरेन्द्र जी गांधी के सभापतित्व में सत्र 2023–25 की पंचम कार्यसमिति बैठक जी–श्याम पैलेस, कवर्धा (छ.ग.) में संपन्न हुई, जिसमें कुल 31 सदस्य उपस्थित थे। इनके अलावा 20 विशेष आमंत्रित महानुभावों की भी उपस्थिति रही।

(संलग्न परिशिष्ट–1)

बैठक की कार्यवाही एतद्पश्चात् विवरणित है। संदर्भित विवरण कार्यसूची में उल्लेखित मदों के क्रम में कुछ अंतर सहित प्रस्तुत है।

क्रम संख्या – 1 – सत्रारंभ– 1.1 – नवकार मंत्र के सामूहिक उच्चारण एवं संघ समर्पणा गीत के सहगान के साथ सत्रारंभ हुआ।

1.2 – राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने साधुमार्गी संकल्प पत्र का वाचन किया, जिसे सदन में उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक दोहराव किया।

1.3 – राष्ट्रीय महामंत्री सुरेश कुमार जी बच्छावत ने परम पूज्य आचार्य भगवन्, उपाध्याय प्रवर एवं चारित्रात्माओं को परोक्ष वंदन कर सत्र 2023–25 के कार्यकाल की पंचम कार्यसमिति बैठक की कार्यवाही प्रारंभ की। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने कहा कि सभी शिखर सदस्य, पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष, वर्तमान पदाधिकारीगण, प्रवृत्ति संयोजकगण, संयोजन मण्डल सदस्य, आंचलिक पदाधिकारीगण, कार्यसमिति सदस्य, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं देशभर से पधारे सभी महानुभाव! जो अपने बहुमूल्य समय में से कुछ समय निकालकर इस कार्यसमिति बैठक में उपस्थित हुए हैं, उनका श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ की ओर से हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन है।

क्रम संख्या – 2 – विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि, स्वीकृति एवं अनुमोदना – राष्ट्रीय महामंत्री ने सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ाते हुए कहा कि दिनांक 03 अक्टूबर 2024 को ओरिका रिसोर्ट, भीलवाड़ा (राज.) में सम्पन्न हुई विगत कार्यसमिति बैठक का कार्यवृत्त सभी सम्मानित सदस्यों को पूर्व में डाक द्वारा प्रेषित कर दिया गया है। साथ ही इस बैठक के एजेंडे के साथ व्हाट्सएप्प, ईमेल द्वारा भी प्रेषित किया जा चुका है। आशा है आपको प्राप्त हो गया होगा एवं सभी ने अवलोकन भी कर लिया होगा। किन्हीं महानुभाव के पास विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त से संबंधित किसी प्रकार की जानकारी, चर्चा, प्रश्न अथवा सुझाव हों तो कृपया सदन को अवगत करावें और अपनी स्वीकृति व अनुमोदना प्रदान करें।

सम्पूर्ण सदन ने हाथ उठाकर सहमति प्रदान करते हुए विगत कार्यसमिति बैठक के कार्यवृत्त की स्वीकृति प्रदान की।

क्रम संख्या – 3 – नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना – राष्ट्रीय महामंत्री ने विगत कार्यसमिति बैठक से अब तक विभिन्न सदस्यताओं में हुई अभिवृद्धि को बतलाते हुए कहा कि विगत कार्यसमिति बैठकों के दौरान सभी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय मंत्रीगणों से संघ सदस्यता को बढ़ाने के लिए पुरुषार्थ करने का निवेदन

किया गया था। उसी कड़ी में नए सदस्यों की सदस्यता की अनुमोदना प्रदान करावें। संघ प्रभावक 1, संघ आजीवन में 2, संघ साधारण 7, विहार सेवा संयोजन 1, श्रमणोपासक 103, साहित्य में 17 नए बने हैं। इन सभी की सदस्यता की स्वीकृति प्रदान करने हेतु सदन से निवेदन है।

सदन ने नए सदस्यों की सदस्यता हेतु स्वीकृति प्रदान की।

(संलग्न परिशिष्ट-2)

क्रम संख्या - 4 - त्रैमासिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुति - राष्ट्रीय महामंत्री ने सदन में विगत समय में हुई विभिन्न गतिविधियों को पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिनमें मुख्य बिन्दु निम्नवत् रहे –

4.1 - मेवाड़ अंचल प्रवास - मेवाड़ अंचल में 20 से 25 अक्टूबर को आयोजित प्रवास में संघ पदाधिकारियों के साथ दानपेटी योजना के राष्ट्रीय संयोजक, इदं न मम के आंचलिक संयोजक आदि ने चित्तौड़गढ़, भदेसर, सांवलियाजी (मंडफिया), मोरवन, चिकारड़ा, निकुंभ, आवरीमाता (असावरा), लसड़ावन, निम्बाहेड़ा, बाड़ी, बिनोता, बड़ी सादड़ी, बोहेड़ा, छोटी सादड़ी, प्रतापगढ़, धरियावद, दलोट, कानोड़, बंबोरा, उदयपुर सेक्टर–5, भड़भूजा घाटी, भूपालपुरा, वल्लभनगर, नाई, कांकरोली, गंगापुर, कपासन इत्यादि क्षेत्रों में संघ विकास हेतु प्रभावना की।

मेवाड़ अंचल के प्रवास में संघ प्रवृत्तियों की भरपूर प्रभावना की गई। दानपेटी, इदं न मम, समता शाखा, समता संस्कार पाठशाला, संघ आबद्धता इत्यादि प्रवृत्तियों की प्रभावना पर विशेष जोर दिया गया। अनेक क्षेत्रों में चातुर्मासार्थ विराजित चारित्रात्माओं के दर्शन–वंदन का प्रवासी दल ने लाभ लिया। प्रवास के दौरान संघ प्रभावक सदस्य 1, इदं न मम सदस्य 62, संघ आजीवन सदस्य 1, श्रमणोपासक सदस्य 1 बने। 5 क्षेत्रों ने संघ आबद्धता ग्रहण की। दलोट में तीनों ईकाइयों का गठन अध्यक्ष जी द्वारा किया गया। धरियावद में नवीन संघ का गठन किया गया। **(संलग्न परिशिष्ट-3)**

4.2 - बीकानेर मारवाड़ अंचल प्रवास- 14,15,16 दिसम्बर को बीकानेर–मारवाड़ अंचल का तीन दिवसीय प्रवास अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूनमचंद जी सुराणा के नेतृत्व में संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारी, महत्तम महोत्सव के राष्ट्रीय संयोजक, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, युवा संघ के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष, महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा आदि की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

कुचेरा (नागौर) में स्थानीय श्रावकों एवं शिविर प्रबंधन से जुड़े कार्यकर्त्ताओं से साथ मीटिंग की गई। कुचेरा में दिनांक 1 से 21 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले **'तत्त्व अवगाहन शिविर'** की व्यवस्था संबंधी कार्य की रूपरेखा हेतु

जानकारी ली गई।

मेड़ता सिटी में दिनांक 25 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक आयोजित होने वाले मोक्षार्क्षी शिविर 3.0 की व्यवस्था की समीक्षार्थ मीटिंग रखी गई।

अलाय (नागौर) में स्थानीय पदाधिकारियों के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। यहां समता संस्कार पाठशाला खोलने हेतु प्रभावना की गई। अलाय में आयोजित होने वाले आंचलिक सम्मेलन **'महत्तम सोमनस महोत्सव'** संबंधी विशेष चर्चा की गई। कुचेरा व मेड़ता सिटी दोनों ही जगह क्षेत्र प्रतिनिधि एवं नए क्षेत्र घोषित किए गए।

4.3 – मुम्बई गुजरात-यू.ए.ई. अंचल प्रवास – मुम्बई–गुजरात–यू.ए.ई. अंचल का प्रवास 11 से 13 अक्टूबर 2024 को अंचल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीत जी कांकरिया के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रवास में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय महामंत्री, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, दानपेटी संयोजक, कार्यसमिति सदस्य एवं स्थानीय अध्यक्ष–मंत्री व सदस्य उपस्थित रहे। इसमें वापी, वलसाड़ (अब्रामा), चिखली, वासंदा, नवसारी, बारडोली, सेलंबा, सूरत, अंकलेश्वर, वडोदरा, साबरमती, शाहीबाग, अहमदाबाद इत्यादि क्षेत्रों को शामिल किया गया।

प्रवास क्षेत्रों में संघ आबद्धता, महत्तम महोत्सव, अभिरामम्, संघ आजीवन सदस्यता, इदं न मम, विहार सेवा संयोजन, संघ प्रभावक, महाप्रभावक सदस्यता, श्रमणोपासक, समता भवन निर्माण एवं महत्तम शिखर सहित अन्य प्रवृत्तियों की पुरजोर प्रभावना कर संघ के प्रत्येक सदस्य को इनसे जुड़ने की अपील की गई। अनेक क्षेत्रों में चातुर्मासार्थ विराजित चारित्रात्माओं के दर्शन–वंदन का लाभ प्रवासी दल ने लिया।

प्रवास के दौरान अहमदाबाद सहित वडोदरा, नवसारी, बारडोली, चिखली, वापी, सेलंबा, वलसाड़ आदि 8 क्षेत्रों ने संघ आबद्धता ग्रहण की। चिखली में नवीन संघ का गठन एवं वापी में नवीन अध्यक्ष का मनोनयन किया गया। संघ महाप्रभावक में 6, संघ प्रभावक 7, महत्तम महोत्सव सहयोग 1, इदं न मम 24, विहार सेवा संयोजन में 2 सदस्य बने। **(संलग्न परिशिष्ट-4)**

4.4 – महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश प्रवास – संघ के महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल का चार दिवसीय प्रवास 7 से 10 नवम्बर तक हुआ। इसमें जलगांव, वरणगांव, धरणगांव, सिलोड़, अमलनेर, शिरुड़, धुलिया, फागणा, शिंदखेड़ा, नरडाणा, शिरपुर, शहादा क्षेत्रों में प्रवास हुआ।

प्रवास में स्थानीय संघ के अध्यक्ष, मंत्री एवं सभी सदस्यों का सराहनीय सहयोग मिला। इस दौरान संघ प्रवृत्तियों की भरपूर प्रभावना की गई। समता शाखा, पाठशाला, शिविर, दानपेटी, इदं न मम इत्यादि प्रवृतियों के विकास हेतु विशेष आग्रह किया गया। प्रवास में दो सदस्यों ने महाप्रभावक सदस्यता हेतु

घोषणा की। महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर दानपेटियां वितरित की गई। प्रवास में धरणगांव, शिंदखेडा में नए संघ का गठन एवं सिलोड़ को संघ का नवीन क्षेत्र घोषित किया गया है। पांच स्थानीय संघों धरणगांव, शिंदखेड़ा, जलगांव, शिरपुर, धुलिया को केन्द्रीय संघ से आबद्ध किया गया है। संघ महाप्रभावक 2, श्रमणोपासक 2 व साहित्य 1 सदस्य बने।

दिनांक 10 नवंबर को शहादा में अंचल का क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में महाराष्ट्र में संघ प्रवृत्तियों के विकास हेतु विभिन्न सम्माननीय जनों ने अपने विचार साझा किए, जिसमें संघ के निवर्तमान रा. अध्यक्ष श्री गौतम जी रांका की विशेष उपस्थिति एवं मार्गदर्शन रहा। इस भव्य समारोह में मुम्बई संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। प्रवास में पराक्रम शिविर हेतु छह संघों ने स्वीकृति प्रदान की। **(संलग्न परिशिष्ट–5)**

4.5 – अहमदाबाद बुक फेयर – अहमदाबाद शहर में 30 नवंबर से 8 दिसंबर तक आयोजित पुस्तक मेले में साधुमार्गी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों ने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। पब्लिकेशन की नई पुस्तक 'जैनिज्म' की लोगों ने बहुत प्रशंसा की। साबरमती रिवर फ्रंट पर आयोजित 9 दिवसीय मेले में देश के प्रमुख प्रकाशकों ने अपने स्टॉल लगाए। मेले का उद्घाटन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र जी पटेल ने किया। लोगों ने साधुमार्गी पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में अपनी रुचि दर्शाते हुए खरीदारी की। **जैनिज्म, ऐसी वाणी बोलिए, नो शॉर्टकट प्लीज, मीठे पदचाप, आइ टू आई** सर्वाधिक बिक्री वाली पुस्तकें रहीं। इनके अतिरिक्त **एक ही काफी है, आलाप, समझदार को इशारा** को भी लोगों ने पसंद किया। इनमें से कई पुस्तकों के अंग्रेजी और गुजराती संस्करण के लिए भी लोगों ने सम्पर्क किया।

4.6 – ग्रैंड समर्पणा महोत्सव पर जूम मिटिंग –दिनांक 21 दिसम्बर को राष्ट्रीय पदाधिकारीगण, महत्तम महोत्सव टीम व प्रवृत्ति संयोजकों की जूम मीटिंग ग्रैंड समर्पणा महोत्सव के पूर्व संध्या पर हुई। जिसमें प्रवृत्ति संयोजकों से निवेदन किया गया कि सभी महत्तम शिखर महोत्सव के 50 दिनों के काउंट डाउन में अपनी–अपनी प्रवृत्ति से संबंधित सभी कार्यक्रमों का आयोजन संघ की रीति–नीति के अनुसार करें।

4.7 – ग्रैंड समर्पणा महोत्सव– 22 दिसम्बर को पूरे देश के सभी संघों में आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के पावन सानिध्य मे वर्तमान में संयमरत 485 चारित्रात्माओं के वीर परिवारों की सूची तैयार कर उनके निवासरत संघों में उनका सम्मान किया गया।

स्थानीय संघ से निवेदन किया गया कि आप केंद्रीय संघ से प्राप्त अभिनंदन पत्र से 22 दिसम्बर 2024 के कार्यक्रम में सम्मानपूर्वक अभिनंदन पत्र उनको प्रदान

करना है ।

4.8 – लिफ्टिंग फिफ्टीज का विमोचन– राष्ट्रीय महामंत्री, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम जी रांका, महत्तम महोत्सव संयोजक किशोर जी कर्णावट, बीकानेर मारवाड़ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूनमचंद जी सुराणा, शिविर संयोजक अतुल जी पगारिया, महेश जी नाहटा एवं अन्य सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति में मेड़ता सिटी में युग निर्माता आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के श्रेष्ठ 50 गुणों को दर्शाते हुए अनुपम साहित्य 'लिफ्टिंग फिफ्टीज' का विमोचन 25–12–2024 को संपन्न हुआ।

4.9 – समता कैलेंडर – अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ द्वारा प्रकाशित 2025 जैन समता कैलेंडर का विमोचन दिनांक 26 दिसम्बर को मेड़ता सिटी में मुकेश जी कोठारी, अहमदाबाद (सलाहकार, भारतीय आर्थिक व्यापार संगठन) एवं महत्तम महोत्सव की टीम तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुमित जी बम्ब ने बताया कि समता कैलेंडर लगभग पूरे भारतवर्ष में 25 से 30 हजार परिवारों में पहुँचता है।

4.10 – महत्तम सोमनस – 29 दिसम्बर 2024 को अलाय में बीकानेर/ मारवाड़ अंचल महत्तम सोमनस कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेन्द्र जी गांधी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पूनमचंद जी सुराना, राष्ट्रीय मंत्री तनसुख जी गुलेछा, महिला समिति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजश्री सुराना, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेमीचंद जी पारख, महत्तम अंचल संयोजक राकेश जी चोपड़ा, नोखा संघ अध्यक्ष मदन जी लुणिया, मंत्री बाबूलाल जी कांकरिया, अलाय संघ अध्यक्ष नेमीचंद जी बाफना, मंत्री सूरजमल जी चोरड़िया आदि की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर दीक्षार्थी करिश्मा जी लुणिया नोखा व परिजनों का शानदार अभिनंदन किया गया। मुख्य वक्ता अमिता जी संचेती ने गुरुदेव के विशिष्ट गुणो पर वक्तव्य दिया। महिला समिति राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजश्री सुराणा, नोखा द्वारा वर्क का प्रजेंटेशन प्रस्तुत किया।

4.11 – मोक्षार्थी 3.0 – 8 दिवसीय मोक्षार्थी शिविर का शुभारंभ मेड़ता में 25 दिसम्बर 2024 को एवं समापन 01 जनवरी 2025 को हुआ। जिन श्रावक–श्राविकाओं को इस शिविर का उद्देश्य ज्ञात हुआ, उन्होंने इसके लिए अपने बच्चों/बच्चियों का रजिस्ट्रेशन कराने में स्फूर्ति दिखाई तथा अन्यों को भी इसकी जानकारी देते हुए प्रोत्साहित करने का सुकार्य किया। सभी के सम्मिलित प्रयासों से कैंप हेतु लगभग 250 रजिस्ट्रेशन हुए और 115 से अधिक शिविरार्थियों ने सहभागिता की।

इस दौरान सभी शिविरार्थियों में पूर्ण अनुशासन का पालन किए। रात्रि संवर, चौविहार, बड़े स्नान का त्याग, जूते–चप्पल का त्याग आदि का विशेष रूप से पालन हुआ। शिविरार्थियों ने संस्कार निर्माण, जीवन निर्माण जैसे विशिष्ट संस्कार ग्रहण किए, जो उनको जीवनभर बुराई, हिंसा, वैमनस्य, परिग्रह, व्यसन आदि से बचाकर स्वावलंबी, गुरु समर्पित जीवन जीने की राह प्रशस्त करेंगे।

क्रम संख्या – 5– प्रवृत्ति प्रगति प्रतिवेदन – महामंत्री ने त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट के उपरांत विगत तीन माह में विभिन्न प्रवृत्तियों के अंतर्गत हुई अभिवृद्धि को पी.पी.टी. के माध्यम से सदन में प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संघ शिखर सदस्यता घोषणा 1 रही, महाप्रभावक सदस्यता में (प्रस्तावित 4 तथा घोषणा 4), संघ प्रभावक सदस्यता में 1, संघ आजीवन सदस्यता में 3, संघ साधारण सदस्यता में 9, श्रमणोपासक सदस्यता में 103, साहित्य सदस्यता में 17, विहार सेवा सदस्यता में 1, इदं न मम में 135 नये सदस्यों की अभिवृद्धि हुई है। समता मिति 3, आचार्य श्री श्रीलाल उच्च शिक्षा योजना के अन्तर्गत 4 छात्र लाभान्वित हुए हैं। समता भवन 1 निर्माणधीन है। 20 संघों ने संघ आबद्धता ग्रहण की। इसके अतिरिक्त समता संस्कार पाठशाला, जैन संस्कार पाठ्यक्रम, समता मिति, ग्लोबल कार्ड, गुणशील आदि के बारे में भी सदन में जानकारी रखी गई।

सदन ने जिसकी बहुत–बहुत अनुमोदना की।

क्रम संख्या – 6 – आंचलिक प्रतिवेदन – प्रगति प्रतिवेदन के पश्चात् राष्ट्रीय महामंत्री ने आंचलिक प्रतिवेदन का प्रस्तुतिकरण किया ।

7.1 – मेवाड़ अंचल– राष्ट्रीय मंत्री सोहनलाल जी पोखरना द्वारा प्राप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए सदन को बताया कि दिनांक 20 से 25 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय पदाधिकारीगण, पूनमचन्द जी भूरा, इदं न मम् के आंचलिक संयोजक वृद्धिचंद जी कोठारी एवं मेवाड़ अंचल के उपाध्यक्ष प्रकाश जी चपलोत के नेतृत्व में अंचल के 27 गांवों में प्रवास किया।

बड़ीसादड़ी चातुर्मास में 11 मासखमण एवं मासखमण से ऊपर की तपस्याएं हुई। कई तरह के शिविर लगाए गए। दलोट में नये संघ का गठन किया गया। वहां बड़ा संघ, समता युवा संघ, महिला मण्डल तीनों संघों का गठन किया गया।

धरियावद में राष्ट्रीय कार्यकारिणी का प्रथम प्रवास था। वहाँ भी नए संघ का गठन किया गया। प्रवास में चारित्रात्माओं के दर्शन–वंदन व संघ सदस्यों के साथ बैठक की गई। कांकरोली में साधुमार्गी जैन संघ का चातुर्मास सानन्द सम्पन्न हुआ। किरण जी कोठारी के प्रवास के दिन 35 उपवास थे। प्रवासी दल व संघ के निवर्तमान अध्यक्ष गौतम जी रांका, पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल जी सांड, विमल जी सिपानी, श्री प्रकाश जी चपलोत सभी ने उनकी तपस्या का बहुमान किया। तपस्या आगे भी गतिमान थी। 123 के प्रत्याख्यान हो चुके हैं।

भीलवाड़ा में आचार्य प्रवर का चातुर्मास बहुत ही भव्य एवं सुन्दर ढंग से सम्पन्न हुआ। चातुर्मास में 12 दीक्षाएं हुई। कई तरह के शिविर एवं अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। आचार्यश्री के चादर दिवस पर मेवाड़ अंचल में 793 युनिट रक्तदान हुआ एवं 1581 आयम्बिल हुए।

28–29 सितम्बर को भीलवाड़ा में समता प्रचार संघ द्वारा स्वाध्यायी सम्मान एवं समागम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वाध्यायियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किए गए एवं श्रेष्ठ स्वाध्यायियों का चयन किया गया। 27 से 31 अक्टूबर 2024 तक भीलवाड़ा में मोक्ष आराधना शिविर का आयोजन किया गया।

सभी संघों में ए–वन–9 एकासन का सामूहिक आयोजन किया गया एवं भगवान महावीर निर्वाण दिवस पर तेले तप की भव्य आराधना हुई। अंचल में 40 पाठशालाएं चल रही हैं, जिनमें 850 से अधिक बालक/बालिकाएं धार्मिक अध्ययन करते हैं।

22 दिसम्बर 2024 को ग्रैंड समर्पणा दिवस अंचल के सभी संघों में बड़े ही उत्साह एवं सामूहिक एकासन के साथ मनाया गया। उदयपुर में बच्चों के द्वारा बनाए गए मॉडल्स की प्रदर्शनी लगाई गई। 26 जनवरी 2025 को बेगूं में महत्तम महोत्सव के अन्तर्गत आंचलिक कार्यक्रम महत्तम सोमरस रखा गया है। जिसके लिए बेगूं संघ की स्वीकृति प्राप्त हुई थी। 21 जगह चारित्रात्माओं के प्रवचन, दर्शन, वंदन का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ।

7.2 - जयपुर-ब्यावर अंचल – 6 अक्टूबर को श्री छत्रांक मुनि जी म.सा. के सान्निध्य में प्रतिक्रमण प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें 90 सदस्यों ने भाग लिया। दिनांक 14 से 16 अक्टूबर तक साध्वी श्री पराग श्री जी म.सा. के सान्निध्य में महिला मंडल का माउथ थेरेपी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 50 बहनों ने भाग लिया। 17 अक्टूबर को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर 70 भाई–बहनों ने 15 सामायिक एवं 6 पौषध तथा 10 संवर के साथ पक्खी पर्व की आराधना की गई। 20 अक्टूबर को आचार्य प्रवर श्री नानालाल जी म. सा. का 25 वां पुण्यस्मृति दिवस एवं श्री आराध्यदेव का पदारोहण दिवस म्रें निम्न कार्यक्रम संपन्न हुए। 80 आयम्बिल सामूहिक हुए तथा 10 भाई–बहनों ने नवपद ओली तप किया। भगवान महावीर निर्वाण कल्याण के महोत्सव पर 20 तेले तप की आराधना एवं दीपावली पर्व के दिन उत्तराध्ययन सूत्र का एक से 36 अध्ययन का धारा प्रवाह से वाचन किया गया।

चातुर्मास समाप्ति के बाद आराध्यदेव का विहार ब्यावर की तरफ हुआ आराध्यदेव ने ब्यावर संघ पर महत्ती कृपा करके जयनगर पहुँचने पर ब्यावर में 3 दिसंबर को मुमुक्षु हर्षाली जी कोठारी की जैन भागवती दीक्षा स्वीकृत की तथा बड़ी दीक्षा का लाभ भी ब्यावर संघ को प्रदान किया। 2 दिसंबर को संघ के राष्ट्रीय

अध्यक्ष महोदय, महामंत्री महोदय तथा अन्य राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा मुमुक्षु बहन का अभिनंदन किया गया। संघ समर्पणा दिवस ब्यावर में भी बड़ी धूमधाम एवं त्याग तपस्या के साथ एकासन दिवस के रूप में मनाया गया

सवाई माधोपुर, बजरिया, अलीगढ़, हाउसिंग बोर्ड, कोटा, टोंक, अजमेर में भी संघ समर्पणा दिवस त्याग तपस्या के साथ एकासन दिवस के रूप में मनाया गया। उपरोक्त जानकारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रेणिक जी नाहर द्वारा प्राप्त हुई।

7.3 - मध्यप्रदेश अंचल – मध्यप्रदेश अंचल में लगभग 49 संघ एवं 32 प्रतिनिधि संघ आते हैं। सभी संघों एवं प्रतिनिधियों से हमारा संपर्क बना हुआ है। महत्तम शिखर वर्ष में रक्तदान का कार्यक्रम लगभग सभी संघों में हुआ और कुल 1094 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस तिमाही में हमने नगरी (मंदसौर) का प्रवास किया, जहाँ मीटिंग में श्री अ. भा. सा. जैन संघ के सहयोग से पुराने भवन की जगह नया समता भवन बनाने का निर्णय सर्वानुमति से किया गया। साथ ही 9 सदस्य इदं न मम हेतु बनाए गए ।

नए समता भवन बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। नगर परिषद में श्री अ. भा. सा. जैन संघ के नाम नामांतरण की कार्यवाही कर दी गई है। आशा करते हैं कि शीघ्र ही समता भवन का भूमि पूजन कार्य संपन्न होगा।

इस महत्तम शिखर वर्ष में हमारी एक और उपलब्धि यह रही कि साधुमार्गी जैन संघ, रतलाम के प्रतिष्ठित, धर्मनिष्ठ सुश्रावक कांतिलाल जी पन्नालाल जी कटारिया ने संघ की शिखर सदस्यता ग्रहण की। अभिरामम् के रजिस्ट्रेशन में मध्यप्रदेश अंचल प्रथम स्थान पर रहा ।

दानपेटी के लिए भी संघ ने पूरा पुरुषार्थ करते हुए सभी स्थानीय संघों एवं प्रतिनिधि संघों में दानपेटी लगाने का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया है। अभी तक पूरे अंचल में 1700 के लगभग दानपेटियाँ लग चुकी है। सभी संघों में महत्तम शिखर की प्रभावना 'इंद्र धनुष 3' के माध्यम से की गई। आयंबिल दिवस पर अंचल में 963 आयंबिल हुए ।

ग्रैंड समर्पणा दिवस 22 दिसंबर को पूरे अंचल में बहुत ही उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अंचल में 3817 एकासन हुए, जो अपने आप में रिकॉर्ड है। कुल 45 संघों में ग्रैंड समर्पणा दिवस मनाया गया। 12 जनवरी 2025 को हम इंदौर में आंचलिक सम्मेलन भी करने जा रहे हैं। उपरोक्त रिपोर्ट राष्ट्रीय मंत्री श्री कमल जी पिरोदिया के सौजन्य से प्राप्त हुई।

7.4 - महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल – श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नवनीत जी राखेचा, राष्ट्रीय मंत्री रमेश जी संकलेचा आदि पदाधिकारियों का महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश अंचल का चार दिवसीय प्रवास हाल ही में संपन्न हुआ। जिसमें जलगांव, वरणगांव,

धरणगाव, सिल्लोड, अमलनेर, फागणा, शिरुड, धुलीया, शिंदखेडा, नरडाणा, शिरपूर, शहादा, राहुरी फैक्टरी इन स्थानो पर पधारना हुवा।

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ द्वारा संचालित 34 प्रकल्प की विस्तृत जानकारी पदाधिकारियों द्वारा उपस्थित मान्यवरों को दी गई, स्थानीय संघ से विचार विमर्श किया गया।

श्रद्धेय आचार्य भगवन् के 50 वें दीक्षा पर्याय वर्ष उपलक्ष्य में श्री अ. भा. साधुमार्गी जैन संघ द्वारा आयोजित 31 माह के महत्तम महोत्सव इस महा आयोजन के अंतिम 50 दिवस अर्थात 22 दिसंबर 2024 से 9 फरवरी 2025 का भव्य आगाज संपूर्ण भारत वर्ष में भव्य समारोह द्वारा किया जा रहा है बिना आडंबर के केवल तप त्याग से यह 50 दिवसीय शिखर महोत्सव पूर्ण भारत वर्ष में, तथा विदेशों में कई स्थानों पर संपन्न होने जा रहा है, उसकी विस्तृत जानकारी पदाधिकारीयों द्वारा दी गई ।

प्रवास के अंतिम दिवस अर्थात 10 नवंबर 2024, रविवार को शहादा में विशाल आंचलिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। महाराष्ट्र अंचल के कई स्थानों से श्रावक श्राविकाएं इस सम्मेलन में उपस्थित थे। अपूर्व उत्साह के साथ यह 4 दिवस का प्रवास संपन्न हुआ सभी जगह संत सतीयांजी म. सा. के दर्शन, सेवा, प्रवचन का लाभ मिला। प्रवास में स्थानीय संघों का सहयोग रहा, तथा आंचलिक सम्मेलन का आयोजन श्री साधुमार्गी जैन संघ, शहादा द्वारा बड़े सुंदर ढंग से किया गया । उपरोक्त रिपोर्ट राष्ट्रीय मंत्री नवनीत जी राखेचा के सौजन्य से प्राप्त हुई।

क्रम संख्या - 8 - प्रवृत्तिवार प्रस्तुतिकरण - राष्ट्रीय महामंत्री ने प्रवृत्ति संयोजको द्वारा प्राप्त प्रवृत्तिवार प्रस्तुतिकरण किया।

8.1 - धर्मपाल बौद्धिक विकास समिति- राष्ट्रीय संयोजक चन्द्रशेखर जी जैन द्वारा भेजा गया प्रवृत्ति विकास व उत्साहवर्धक कार्यों का विवरण सदन के समुख रखते हुवे आपने बताया कि धर्मपाल क्षेत्रों के समस्त भवनों का प्रमाणीकरण कर लिया गया एवं पंचायत द्वारा प्रमाणीकरण कर संघ को सभी पत्र भिजवा दिए गए है। राष्ट्रीय संयोजक धर्मपाल क्षेत्र व धर्मपाल जैन पाठशाला धुमाहेड़ा, बंजारी, हिंडी, चितावद, अंतरलिया, रानीपिपलिया, बटेरा, मुंडला आदि जगहों पर निरीक्षण किया और बच्चों के परिवार से भी मिलना हुआ। धर्मपाल क्षेत्र में अध्यापक सेवा हेतु एक मोटर साइकिल केंद्रीय संघ द्वारा खरीदी गई है जिससे कई पाठशालाओं में वृद्धि संभव हुई है। नवंबर माह में 31 नई पाठशाला प्रारंभ की गई। वर्तमान में कुल 91 धर्मपाल पाठशालाएँ है। नवंबर माह से 91 पाठशाला संचालित हो रही है जिसमें से 40 पाठशाला को संघ द्वारा 1000 हजार रुपये प्रति माह दिया जा रहा है व 51 पाठशाला निशुल्क संचालित हो रही है।

शासन दीपिका साध्वी श्री प्रज्ञा श्री म. सा. आदि ठाणा 04 का रतलाम से नागदा से उज्जैन की तरफ विहार चल रहा था। महासतियाँ जी का हमारे धर्मपाल पाठशाला गाँव बुरानाबाद, गुराड़िया, दल्लाहेड़ा, रूपाखेड़ी आदि में विचरण हुआ। धर्मपाल शिक्षक ने बुरानाबाद से रूपाखेड़ी तक लगभग 40 किमी विहार सेवा का लाभ लिया। गोचरी–पानी आदि का धर्मपाल भाई–बहनों ने लाभ लिया। आचार्य प्रवर 1008 पूज्य श्री रामलाल जी म.सा. के 50वें सुवर्ण दीक्षा दिवस के 50 दिन पूर्व ग्रैंड समर्पणा दिवस में धर्मपाल क्षेत्र के अलग–अलग गाँवों में 50 दिन तक व्यसनमुक्ति रैली (प्रभात फेरी) का आयोजन किया जाएगा। इसी क्रम में राष्ट्रीय संयोजक के नेतृत्व मे 5 गाँवों में व्यसनमुक्ति रैली निकाली गई। आपके साथ नागदा जं. से दिलीप जी काठेड़ का सहयोग प्राप्त हुआ। धुमाहेड़ा, दल्लाहेड़ा, कानाखेड़ी, करनावद (महिदपुर सिटी), चितावद, दुबली, (महिदपुर सिटी) में भी रैली का आयोजन किया गया। आगे भी यह कार्य करने व सभी को जोड़ने का लक्ष्य है।

8.2 – दानपेटी योजना – दानपेटी योजना के राष्ट्रीय संयोजक पूनमचंद जी भूरा द्वारा भेजे गये प्रवृत्ति विकास व उत्साहवर्धक कार्यों के विवरण से सभा को अवगत कराते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ने सदन को बताया कि भीलवाड़ा अधिवेशन में राष्ट्रीय पदाधिकारियों द्वारा दानपेटी योजना टीम को श्रेष्ठ संगठनात्मक कार्य कौशल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। दानपेटी से सबसे अधिक राशि इकट्ठा करने में सर्वश्रेष्ठ अंचल का पुरस्कार छत्तीसगढ़ अंचल, सर्वश्रेष्ठ संघ प्रथम बेंगलुरु संघ, द्वितीय रायपुर (छत्तीसगढ़) संघ, तृतीय सूरत संघ रहा।

प्रवृत्ति को ऊँचाई पर पहुँचाने हेतु भिन्न–भिन्न माध्यमों से नियमित दान की प्रेरणा की जा रही है और सितंबर से दिसंबर तक बनाई गई योजना 'समर्पण' के तहत संघों से राशि एकत्र करने का कार्य गतिमान है। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगणों के क्षेत्रीय प्रवास के दौरान मेवाड़ अंचल में 450 दानपेटियाँ, महाराष्ट्र प्रवास के दौरान 200 एवं अन्य जगह भी दानपेटियाँ प्रदान की गई तथा प्रभावना की गई। बड़े शहरों को छोड़े बाकी संघों से प्रतिनिधि टीम के साथ स्वयं जाकर राशि एकत्रित करने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रवृत्ति के उद्देश्यों को पूर्ण किया जा सके। छत्तीसगढ़ अंचल के कर्मठ कार्यकर्ता के साथ ऊर्जावान संयोजक संतोष जी खटोर व टीम ने अथक पुरुषार्थ के साथ 34 संघों में प्रवास कर राशि एकत्रित की है।

इस सराहनीय कार्य में राजेंद्र जी बाफना, गुलाब जी बैद, मूलचंद जी छाजेड़, राजेश जी सांखला, नितिन जी ओस्तवाल, मनोज जी डागा, युवा संघ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संदेश जी टाटिया, वीर पिता विनोद जी छाजेड़ व विनय जी दुग्गड़ आदि का सराहानीय सहयोग रहा। अभी भी प्रत्येक संघ में जाकर दानपेटी

खुलवाकर राशि इकट्ठा करने के साथ प्रवास कार्यक्रम निरंतर गतिमान है।

संयोजन मंडल सदस्य अमरचंद जी बाफना एवं सम्माननीय गंभीर जी सांखला का भी सराहनीय सहयोग रहा। मध्य प्रदेश में राशि एकत्रित करने का कार्य उत्साहपूर्वक शुरू हो गया है। इंदौर में आभा जी डूंगरवाल व टीम घर–घर जाकर अच्छी प्रेरणा करते हुए राशि एकत्रित कर रही हैं। खिरकिया, मंदसौर, जावरा, नागदा आदि अन्य संघों में भी कार्य गतिमान है।

महत्तम महोत्सव में दानपेटी योजना टीम में पूरा उत्साह व उमंग है। प्रवृत्ति के उद्देश्य व दान की नियमितता की प्रेरणा हेतु तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी आयु वर्ग का समावेश किया जाएगा। इसका उद्देश्य नोखा में 7–8–9 के कार्यक्रम में दानपेटी योजना प्रवृत्ति को प्रदर्शित करना है। इस प्रतियोगिता में मॉडल, पोस्टर मेकिंग एवं स्टोरी राइटिंग तीनों माध्यम से रखे गये हैं, जिनसे आगमसम्मत तथ्यों सहित प्रेरणास्पद प्रभावना करते हुए आराधक धर्ममयी जीवन में दान के महत्व को उजागर कर सकें और परिवारों में दान के संस्कारों का सिंचन हो।

क्रम संख्या - 9 - अंचलो व प्रवृतियों के आगामी तीन माह का लक्ष्य- आगामी तीन माह में अपनी योजनाएँ प्रस्तुतिकरण हेतु महामंत्री ने धर्मपाल प्रवृत्ति के संयोजक को आमंत्रित किया।

9.1 धर्मपाल बौद्धिक विकास समिति- राष्ट्रीय संयोजक चन्द्रशेखर जी जैन ने सदन को बताया कि हम गुरुदेव के उत्कृष्ट संयमी जीवन के 50 वर्ष पूर्णता की ओर हैं। इस शुभ अवसर पर 50 दिन तक व्यसनमुक्ति रैली का आयोजन किया जा रहा है, जो सभी धर्मपाल क्षेत्रों में निकाली जाएगी।

9.2 दानपेटी योजना- दानपेटी संयोजक मण्डल सदस्य ने सदन को बताया कि दानपेटी योजना टीम का प्रयास रहेगा कि हर संघ और संघ के माध्यम से हर घर को दानपेटी योजना से जोड़ा जाए। बच्चो को दान का महत्व समझाने हेतु तीन प्रतियोगिता का माध्यम बनाया गया है जिसमें सभी आयु के व्यक्ति जुड़कर अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। आगामी फरवरी माह में नोखा में प्रदर्शनी के माध्यम से प्रभावना करने के भाव हैं। 15 मार्च से पहले सभी संघों से राशि एकत्रित करने का लक्ष्य एवं अच्छे परिणाम देने की आशा है। आपने सदन से भी निवेदन किया है आप आगामी कार्यसमिति बैठक से पूर्व अपने क्षेत्रों से दानपेटी की राशि एकत्रित कर भिजवाने का लक्ष्य रखें।

9.3 बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटाल अंचल- राष्ट्रीय मंत्री राजीव जी डागा ने सदन को बताया कि आचार्य भगवन् व उपाध्याय प्रवर की अनुकंपा से 12 से 18 अक्टूबर तक शिविर आयोजित हुआ। जिसमें बहुत से बच्चों ने पहली बार आचार्य भगवन् के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त किया। साथ ही 22 दिसम्बर को 25 से

30 संघों में ग्रैंड समर्पणा महोत्सव मनाया गया। आगामी 26 जनवरी को आंचलिक कार्यक्रम सिलीगुड़ी में होने जा रहा है। आप से निवेदन है कि आप सभी इस कार्यक्रम में अवश्य पधारे।

9.4 मेवाड़ अंचल- राष्ट्रीय मंत्री सोहनलाल जी पोखरना ने बताया कि आगामी तीन माह में हमारा यह प्रयास रहेगा कि मेवाड़ अंचल में जो क्षेत्र वंचित रह गए है वहाँ राष्ट्रीय पदाधिकारी के साथ प्रवास किया जाए। आपने सदन से निवेदन किया कि आगामी आंचलिक सम्मेलन में आप सभी सादर आमंत्रित है।

9.4 मध्यप्रदेश अंचल- आगामी तीन माह के कार्यों का विवरण प्रस्तुत करते हुए राष्ट्रीय मंत्री कमल जी पिरोदिया ने सदन को बताया कि 12 जनवरी को हम इन्दौर में आंचलिक सम्मेलन आयोजित करने जा रहे हैं। आप सभी सादर आमंत्रित हैं। साथ इसी के 7/8/9 फरवरी को नोखा में होने वाले कार्यक्रम हेतु अंचल में ''चलो नोखा'' प्रभावना व ज्यादा से ज्यादा लोगो को नोखा कार्यक्रम में पधारने हेतु प्रेरणा करने के कार्य किए जाने है। साथ ही राष्ट्रीय पदाधिकारियों से निवेदन रहेगा कि कुछ क्षेत्रों में प्रवास का कार्य होना बाकी है। समय की अनुकूलता अनुसार जल्द ही उन क्षेत्रों में भी प्रवास किया जाएगा। समता भवनों के निर्माण कार्य हेतु भी जल्द स्वीकृति के कार्य होने हैं। इसके अलावा केन्द्रीय संघ से प्राप्त सभी आयामों व कार्यों को सहर्ष पूर्ण करने का लक्ष्य रहेगा।

9.5 समता प्रचार संघ- मेवाड़ अंचल के उपाध्यक्ष प्रकाश जी चपलोत ने समता प्रचार संघ की आगामी तीन माह की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि नवीन स्वाध्यायियों की खोज हेतु शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वर्तमान में 500 स्वाध्यायियों के डेटा हमारे पास उपलब्ध हैं। इस वर्ष 109 स्थानों पर स्वाध्यायियों द्वारा सेवा दी गई थी। हमारा लक्ष्य है स्वाध्यायियों का आँकड़ा 500 से बढ़ाकर 1000 हजार किया जाए। गुवाहाटी, रामामंडी, जोधपुर में शिविर आयोजित किये गये, जिनमें बहुत से शिविरार्थियों ने स्वाध्यायी सेवा देने हेतु स्वीकृति प्रदान की। उदयपुर व मैसूर में भी एक शिविर का आयोजन होने जा रहा है। साथ ही सभी संघ महत्तम नंदन के माध्यम से अपने संघ में स्वाध्यायियों को आमंत्रित कर कार्यक्रम रख सकते हैं।

क्रम संख्या - 10 - अन्य विषय – राष्ट्रीय महामंत्री ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषय पर चर्चा का सत्र प्रारंभ किया।

10.1 संघ महाप्रभावक व विहार सेवा संयोजन सदस्यता की घोषणाओं पर महामंत्री ने सदन को बताया कि महाप्रभावक व विहार सेवा संयोजन सदस्यता की सिर्फ घोषणाएँ कई वर्षों से हो रखी है, लेकिन सदस्यता राशि प्राप्त नहीं हुई है। कार्यालय से भी काफी बार निवेदन किया गया है। लेकिन परिणाम प्राप्त नहीं हो पा रहा है। अतः उपाध्यक्ष/मंत्री से निवेदन है आप भी एक बार उनसे सम्पर्क कर हाँ

या ना का प्रतिउत्तर प्राप्त कर हमें सूचित करे ताकि उनकी सदस्यता पर निर्णय लिया जा सके।

10.2 श्रमणोपासक के जिन सदस्यों के सम्पर्क नम्बर या मोबाईल नम्बर नहीं है उन सदस्यों का न तो एम.आई.डी. (MID) नम्बर है और ना ही स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री से उन परिवारों की जानकारी प्राप्त हो रही है। अंतिम बार श्रमणोपासक में डिटेल मंगवाने हेतु निवेदन करके सदन की स्वीकृति हो तो इन श्रमणोपासक सदस्यो की श्रमणोपासक होल्ड कर लेते हैं और जब भी जानकारी प्राप्त होगी तो उनको प्रारम्भ कर दिया जाएगा।

10.3 श्रमणोपासक में चारित्रात्माओं के विहार का विवरण प्रकाशित होता है, लेकिन पुरानी जानकारी देने का औचित्य नहीं है और यह जानकारी व्हाटसएप्प व वेबसाइट आदि के माध्यम से पूर्व में ही आसानी से प्राप्त हो जाती है। अतः सदन की स्वीकृति हो तो हम इस विवरण का प्रकाशन अब से बंद करने का प्रस्ताव रखते हैं और सदन से स्वीकृति प्राप्त हुई।

10.4 श्रमणोपासक को पाक्षिक की जगह मासिक अंक करने हेतु निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम जी रांका व महामंत्री ने सदन से निवेदन किया कि माह में 2 अंक निकलते हैं कई बार यह सुझाव हमें प्राप्त हुआ। कि इसे मासिक कर दिया जाए। इस पर विचार किया जाना चाहिए।

इस पर नवीन जी देशलहरा ने कहा कि आपका सुझाव बहुत ही अच्छा है, हमें इसे मासिक करना चाहिए और धार्मिक समाचार ज्यादा देने चाहिए।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने कहा। समाचार देने की गाईड लाईन बननी चाहिए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि ऐसे समाचार जिनसे समाज में प्रेरणा मिलती हो, संघ के लिए आवश्यक है वे आने ही चाहिए।

राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा, आप सभी की स्वीकृति अनुसार श्रमणोपासक पाक्षिक की जगह मासिक किया जाना है। साथ ही बताया कि अन्य समाचारों के लिए एक समिति का गठन किया जाना है। जिसकी गाईड लाईन बनाकर श्रमणोपासक में प्रकाशित कर दी जाए कि इस आधार पर अन्य सामाचार प्रकाशित होगे इसके अलावा आप सभी के सुझाव आमंत्रित हैं।

10.5 जोनल ऑफिस बनाने हेतुः– संघ विस्तार व सशक्तिकरण के अंतर्गत केंद्रीय व स्थानीय संघों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने हेतु **Distacing Distances** नामक एक पायलट प्रोजेक्ट को रखकर हर तीन अंचलों के बीच केंद्र का एक जोनल ऑफिस खोलने के प्रस्ताव पर चर्चा व सुझाव आमंत्रित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री ने इस पर अधिक जानकारी बताने हेतु निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को आमंत्रित किया।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने सदन को बताया कि आज के समय में सभी

अंचलों में एक जोनल ऑफिस की आवश्यकता है ताकि हर अंचल में एकरूपता के साथ कार्य में प्रगति व विकास हो सके। आपने छत्तीसगढ़–ओडिशा अंचल का उदाहरण देते हुए कहा कि आंचलिक सम्मेलन में भी 2500 के लगभग व्यक्ति आने की संभावना है और इस अंचल के विकास में अंचल ऑफिस का बहुत सहयोग रहा है। इस तरह से हम सभी अंचलों में ऐसा कार्य कर सकते हैं। इसे बनाने का उद्देश्य यह है कि स्थानीय संघों, आंचलिक पदाधिकारियों व अंचल के हर सदस्य को ऐसा लगे कि यह हमारा ऑफिस है व इनके साथ काम कर सकता हूँ, करवा सकता हूँ। ये जोनल ऑफिस श्री अ.भा.सा. जैन संघ, के दिशा–निर्देश में कार्य करेंगे। कुछ गतिविधियाँ ऐसी हैं जिनका लक्ष्य प्राप्त नहीं हो रहा हो या डेटा प्राप्त नहीं हो रहा हो, तो वै हम जोनल ऑफिस के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। जैसे एम.आई.डी. व श्रमणोपासक सदस्यों के 5 हजार नम्बर, साहित्य की स्टॉल लगानी हो, समता संस्कार पाठशाला नहीं चल रही हो। ऐसी बहुत सी प्रवृत्तियों का विकास हो सकता है। इसके साथ ही केन्द्रीय कार्यालय को भी सहयोग प्राप्त हो सकता है। क्योकि कि सभी जोनल ऑफिस का नियंत्रण, दिशा–निर्देश केन्द्रीय कार्यालय से ही भिजवाए जाएगे। रतलाम, बीकानेर, उदयपुर में पहले ही अपने कार्यालय हैं। जयपुर, सूरत, मुम्बई, बेंगलुरु, कोलकाता में बनाने की योजना है सभी जगहो पर हमारे समता भवन है। हमें आधारभूत संरचना की आवश्यकता नहीं रहेगी और सिस्टम से हम एक मैनेजर व कर्मचारी की नियुक्ति कर लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

इसके लिए मनोज जी डागा ने निवेदन किया कि जोनल ऑफिस की जगह अंचल ऑफिस खोलें तो ज्यादा अच्छा रहेगा। गम्भीर जी सांखला ने कहा आपका सुझाव अच्छा है, लेकिन कुछ पॉवर अंचल के पास होना चाहिए ताकि फण्ड हमारे पास रहे, जिससे उस जोनल ऑफिस को सुचारू चलाने में आसानी रहेगी। अंत में और सुझाव आमंत्रित कर निर्णय करना तय हुआ।

10.6 नानेश ध्यान केन्द्र के विकास हेतु निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सदन को बताया कि उदयपुर में संघ की बहुत बड़ी सम्पत्ति है, जिसका पूर्व में हुए निर्णय के अनुसार कॉमर्शियल कन्वर्जन हो चुका है। वहाँ एक हिस्से में डवलपमेंट शुरू करने हेतु सुझाव आपके समक्ष हैं। आपने बताया इस प्रॉपर्टी में पहले से नानेश ध्यान केन्द्र है, छात्रावास है, भोजनशाला बनी हुई है। मैप के अनुसार वाणिज्यिक परिसर (कमर्शियल कॉम्प्लेक्स) एवं नवीन छात्रावास बनाने का भी प्रावधान है। इसकी जानकारी सदन को देते हुए बताया कि इसे स्थाई सम्पत्ति में पास किया गया है और आज कार्यसमिति में स्वीकृति हेतु प्रस्ताव दिया जा रहा है। सभी ने प्रस्ताव स्वीकृत किया।

10.7 महत्तम शिखर महोत्सव के अंतर्गत प्रवृत्तियों में कुछ विशेष कार्य करने

का निर्णय हुआ।

10.8 इदं न मम से हर कमाने वाले सदस्य को जोड़ने हेतु एक रूपरेखा बनाने का निर्णय हुआ।

सम्पूर्ण सदन ने हाथ उठाकर सहमति प्रदान करते हुए सभी प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की।

11 अन्य विषयः- गम्भीर जी सांखला ने बताया कि राजा खरियार में समता भवन हेतु 3400 स्क्वायर फिट की जमीन हमे दानदाता से प्राप्त हो चुकी है और उसकी रजिस्ट्री भी हो चुकी है। 25 लाख रूपये सरकारी खाते में जमा है, लेकिन राजा खरियार संघ का खाता नहीं होने के कारण काम प्रारम्भ करने पर वह राशि उपयोग नहीं आ पाएगी। इसके लिए केन्द्रीय संघ से निवेदन है कि व्यवस्था करे। मार्च तक अगर यह कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया तो वह पैसे सरकारी व्यवस्था अनुसार प्राप्त नहीं होगे।

क्रम संख्या - 12 - राष्ट्रीय अध्यक्ष उद्‌बोधन – राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आचार्य भगवन् का विचरण मारवाड़ की ओर हो रहा है। आपकी कृपा से मेड़ता में जहाँ एक परिवार है वहाँ हमारा शिविर हुआ। यह संघ हम सभी का परिवार है और हम सभी का जुडाव, पारिवारिक भाव विकसित हो ताकि कनेक्टिविटी और बढ़े। इसके लिए जो करना है वो हमे करना चाहिए। उसी की कड़ी के रूप में हम जोनल ऑफिस के रूप में एक माध्यम बनाना चाहते हैं। आप सभी से निवेदन है। आप सभी अपने सुझाव देवे ताकि उन्हें समाहित कर रूपरेखा तैयार की सके। इससे संघ की गतिविधियों में तेजी आएगी। हमारे पास सम्पूर्ण जैन समाज से समाचार आए हैं कि साधुमार्गी संघ हर क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है ओर विकास की और अग्रसर है। हमारे संघ को शिक्षा व चिकित्सा पर भी विचार करना चाहिए। सिद्धिम ग्लोबल के माध्यम से बच्चो के भविष्य हेतु चिंतन किया जा रहा है। क्या ऐसे ही चिकित्सा के क्षेत्र में समता समग्र आरोग्यम् के माध्यम से भी उस दिशा में कार्य किया जा सकता है? सामाजिक समरसता की बात करें तो 60 वर्ष पूर्व हमारे आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. द्वारा बलाई समाज को जाग्रत कर उन्हें धर्मपाल उपाधि दी। आज धर्मपाल क्षेत्र में 100 से अधिक पाठशालाएँ गतिमान हैं। आप सभी से यही निवेदन है सभी परिवारों को सम्मिलित करते हुए कार्यक्रम करें उन्हें जोड़े। इसका एक उदाहरण देते हुए आपने कहा कि कोलकाता संघ ने ग्रैंड समर्पणा महोत्सव पर हर परिवार के हर सदस्य को फोन द्वारा आमंत्रित किया।

आपने कहा कि बैठक में पधारे हुए पूर्व गणमान्य पदाधिकारियों, वर्तमान पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों, कवर्धा संघ के पदाधिकारियों और देशभर से पधारे हुए महानुभावों का आभार एवं अभिनंदन करता हूँ। देशभर से पधारे सदस्यों

एवं महानुभावों के लिए आवास, भोजन, परिवहन तथा इवेंट मैनेजमेंट के सुव्यवस्थित कार्य संपादन हेतु श्री साधुमार्गी जैन संघ, कवर्धा के सभी पदाधिकारियों, उनकी टीम व सदस्यों का आभार ज्ञापित किया गया।

क्रम संख्या – 13 – समापन – महापुरुषों की जय–जयकार एवं संघ समर्पणा गीत की पंक्तियों के सामूहिक गान के साथ कार्यसमिति बैठक का समापन हुआ।

*****

उपस्थित केन्द्रीय पदाधिकारी

परिशिष्ट –1

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

क्र.	नाम	शहर	पद
1.	श्री नरेन्द्र जी गांधी	जावद	राष्ट्रीय अध्यक्ष
2.	श्री सुरेश जी बच्छावत	बीकानेर	राष्ट्रीय महामंत्री
3.	श्री गौतम जी रांका	मुम्बई	निवर्तमान–राष्ट्रीय अध्यक्ष
4.	श्री प्रकाशचन्द जी चपलोत	निम्बाहेड़ा	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (मेवाड़)
5.	श्री श्रेणिक जी नाहर	ब्यावर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जयपुर–ब्यावर)
6.	श्री अनिल जी पारख	रायपुर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (छत्तीसगढ़–ओड़िशा)
7.	श्री नवनीत जी राखेचा	शिरपुर	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (महा.–विदर्भ–खानदेश)
8.	श्री मनोज जी डागा	कोलकाता	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (बंगाल–बिहार–नेपाल)
9.	श्री सोहनलाल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	राष्ट्रीय मंत्री (मेवाड़)
10.	श्री कमल जी पिरोदिया	रतलाम	राष्ट्रीय मंत्री (मध्यप्रदेश)
11.	श्री नवीन जी देशलहरा	दुर्ग	राष्ट्रीय मंत्री (छत्तीसगढ़–ओड़िशा)
12.	श्री रमेश जी संखलेचा	धुलिया	राष्ट्रीय मंत्री (महाराष्ट्र–विदर्भ–खानदेश)
13.	श्री राजीव जी डागा	इस्लामपुर	राष्ट्रीय मंत्री (बंगाल–बिहार–नेपाल)
14.	श्री शांतिलाल जी सेठिया	लुधियाना	राष्ट्रीय मंत्री (दिल्ली–पंजाब–हरि.–उ.)
15.	श्री मनोज जी डागा	हावड़ा	संघ आबद्धता एवं निर्वाचन समिति
16.	श्री महेश जी नाहटा	नगरी	श्रमणोपासक एवं साहित्य सदस्यता
17.	श्री किशोर जी कर्णावट	बेंगलुरु	संयोजक–महत्तम महोत्सव
18.	श्री चन्द्रशेखर जी जैन	नागदा जं.	सं.–धर्मपाल संस्कार एवं बौद्धिक वि. स.
19.	श्री मदनलाल जी पारख	राजनांदगाँव	संयोजक–वीर सेवा समिति

कार्यसमिति सदस्य

बीकानेर–मारवाड़ अंचल

क्र.	नाम	शहर	क्र.	नाम	शहर
1.	श्री महेन्द्र जी सोनावत	गंगाशहर	2.	श्री विमलचन्द जी बरड़िया	रावतसर

मध्य प्रदेश अंचल

1.	श्री अभय जी चोपड़ा	रतलाम	2.	श्री राजकुमार जी बाफना	हरदा

छत्तीसगढ़ ओड़िशा अंचल

1.	श्री मनोज जी जैन	कोंडागाँव	2.	श्री प्रमोद जी चोपड़ा	संबलपुर
3.	श्री नथमल जी गिडिया	राजनांदगाँव	4.	श्री जितेन्द्र जी कोठारी	साजा
5.	श्री शीतल जी सांखला	धमतरी	6.	श्री सुरेश जी चोरड़िया	बालाघाट
7.	श्री दिनेश जी श्रीश्रीमाल	कवर्धा			

दिल्ली–पंजाब–हरियाणा–उत्तरी अंचल

1.	श्री निर्मल जी मरोटी	लुधियाना		

विशेष आंमत्रित सदस्य

क्र.	नाम	शहर	पद
1.	श्री गौतम जी पारख	राजनांदगाँव	पूर्व महामंत्री
2.	श्री गंभीरमल जी सांखला	नयापारा(राजिम)	सहसंयो.–संघ आबद्धता एवं नि. स.
3.	श्री नरेन्द्र जी कोटड़िया	मुंगेली	विशेष आमंत्रित सदस्य
4.	श्री कन्हैयालाल जी कोटड़िया	मुंगेली	विशेष आमंत्रित सदस्य
5.	श्री अभिषेक जी लोढ़ा	मुंगेली	विशेष आमंत्रित सदस्य
6.	श्री बाबूलाल जी सेठिया	भिलाई	विशेष आमंत्रित सदस्य
7.	श्री वीरेन्द्र जी पुगलिया	भिलाई	विशेष आमंत्रित सदस्य
8.	श्री अमृतलाल जी छाजेड़	साजा	विशेष आमंत्रित सदस्य
9.	श्री गौतमचंद जी बोथरा	दुर्ग	विशेष आमंत्रित सदस्य
10.	श्री ज्ञानचंद जी पारख	दुर्ग	विशेष आमंत्रित सदस्य
11.	श्री सोनराज जी बांठिया	दुर्ग	विशेष आमंत्रित सदस्य
12.	श्री विनोद जी जैन	धमधा	विशेष आमंत्रित सदस्य
13.	श्री गौतमचंद जी कोटड़िया	मुढ़ीपार	विशेष आमंत्रित सदस्य
14.	श्री मोहन जी बाफना	रायपुर	विशेष आमंत्रित सदस्य
15.	श्री नीलमचंद जी सुराणा	धमतरी	विशेष आमंत्रित सदस्य
16.	श्री संतोष जी खटोर	रायपुर	विशेष आमंत्रित सदस्य
17.	श्री राजू जी सांखला	खरियाररोड़	विशेष आमंत्रित सदस्य
18.	श्री अमीरचंद जी बाफना	अर्जुंदा	विशेष आमंत्रित सदस्य
19.	श्री पारसमल जी बांठिया	दल्लीराजहरा	विशेष आमंत्रित सदस्य
20.	श्री नेमीचंद जी सेठिया	दल्लीराजहरा	विशेष आमंत्रित सदस्य

संघ सदस्यता

परिशिष्ट –2

संघ प्रभावक सदस्य

1.	श्री प्रकाश जी मेहता	बड़ीसादड़ी	

संघ आजीवन सदस्य

1.	श्री कमलेश कुमार जी चावत	लसड़ावन	
2.	श्री हीरामणी जी जैन	नांगदा	

विहार सेवा संयोजन सदस्य

1.	श्री महावीर जी सांड	सूरत	

संघ साधारण सदस्य

1.	श्री हनुमानसिंह जी गोखरू	भीलवाड़ा	
2.	श्री किशनकुमार जी सोलंकी	अलाय	
3.	श्री अर्पण जी तातेड़	बालोद	
4.	श्री महावीर जी तातेड़	डौण्डीलोहारा	
5.	श्री विनोद कुमार जी नागोरी	सूरत	
6.	श्री जितेन्द्र जी चतुरमुथा	जलगाँव	
7.	श्री सुरेन्द्र जी रामपुरिया	पनवेल	

प्रवास घोषणाएँ

परिशिष्ट -3

मेवाड़ अंचल का 6 दिवसीय प्रवास- 20 से 25 अक्टूबर 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि
1.	इदं न मम	62 सदस्य	1,48,100 रुपये
2.	प्रभावक सदस्य	1 सदस्य	1 लाख रुपये

अन्य विशेषः-

1. दलोट, धरियावद में नवीन संघों का गठन एवं बांसवाड़ा, चिकारड़ा, मोरवन, सांवलिया, लसड़ावन संघों ने संघ आबद्धता ग्रहण की।

प्रवास घोषणाएँ

परिशिष्ट -4

मुम्बई गुजरात-यू.ए.ई. अंचल का 3 दिवसीय प्रवास- 11 व 13 अक्टूबर 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि
1.	संघ महाप्रभावक सदस्यता	6 सदस्य	66 लाख रुपये
2.	प्रभावक सदस्य	7 सदस्य	7 लाख रुपये
2.	इदं न मम	24 सदस्य	65,300 रुपये
3.	महत्तम महोत्सव	1 सदस्य	21,000 रुपये
4.	विहार सेवा संयोजन	2 सदस्य	2 लाख रुपये

अन्य विशेषः-

1. अहमदाबाद, वडोदरा, नवसारी, बारडोली, चिखली, वापी, सेलम्बा, वलवाड़ इन 8 क्षेत्रों ने संघ आबद्धता ग्रहण की।

2. अशोक जी निकुम्भ जी मुणोत, सूरत व श्री महावीर जी सांड़, सूरत द्वारा विहार सेवा संयोजन में घोषणा की।

प्रवास घोषणाएँ

भीलवाड़ा में 1 दिवसीय प्रवास- 02 अक्टूबर 24

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि
1.	महत्तम महोत्सव	सदस्य	79 लाख रूपये

प्रवास घोषणाएँ

परिशिष्ट -5

महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल 4 दिवसीय प्रवास- 07 से 10 नवम्बर 2024

क्र.	प्रवृत्ति का नाम	सहयोगी सदस्य	राशि
1.	संघ महाप्रभावक	2 सदस्य	22 लाख रुपये

प्रवास के दौरान संघ महाप्रभावक सदस्यों के सौजन्य से घोषित राशि

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्रीमती सुंदर बाई कोटडिया	कोंडागाँव	2,40,000
2.	श्री निर्मल जी कोठारी	बोलपुर	11 लाख
3.	श्री संजय जी सिद्धार्थ जी मालू	कोलकाता	11 लाख
4.	श्री भागीचंद जी डागा	कोलकाता	11 लाख
5.	श्री प्रकाश जी गांधी	नेत्रंग	11 लाख
6.	श्री भगवतीलाल जी नवलखा	बारडोली	11 लाख
7.	श्री गौतम चंद जी गांधी	अंकलेश्वर	11 लाख
8.	श्री जयंतिलाल जी गांधी	अंकलेश्वर	11 लाख
9.	श्री अजीत जी कांकरिया	सूरत	11 लाख
10.	श्री कन्हैयालाल जी लोढ़ा	अहमदाबाद	11 लाख
11.	श्री नवनीत जी गिरधारीलाल जी राखेचा	शिरपुर	11 लाख
12.	श्री संतोष जी गिरधारीलाल जी राखेचा	शिरपुर	11 लाख

प्रवास के दौरान महत्तम महोत्सव सदस्यों के सौजन्य से घोषित राशि

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्री राजेश जी रांका	भीलवाड़ा	21 लाख
2.	श्री पंकज जी शाह (बोहरा)	पिपलियाकलां	21 लाख
3.	श्री अनिल जी पारख	रायपुर	21 लाख
4.	श्री विजय चंद जी टंच	बदनावर	11 लाख
6.	श्री राजमल जी पंवार	कानवन	5 लाख
7.	श्री दिलीप जी दक	नवसारी	21 हजार

प्रवास के दौरान संघ प्रभावक सदस्यों के सौजन्य से घोषित राशि

क्र.	नाम	शहर	राशि
1.	श्रीमती कमला देवी पुखराज जी चोपड़ा	सेलम्बा	1 लाख
2.	श्री पुष्पेंद्र जी बुलिया	सूरत	1 लाख
3.	श्री अशोक जी मूलचंद जी सुराणा	सूरत	1 लाख
4.	श्री राजेंद्र जी देरासरिया	नवसारी	1 लाख
5.	श्री चांदमल जी जीवन जी कोठारी	नवसारी	1 लाख
6.	श्री शांतिलाल जी दिनेश जी पिछोलिया	वडोदरा	1 लाख
7.	श्री विनोद जी दिनेश जी श्रीश्रीमाल	वडोदरा	1 लाख
8.	श्री प्रकाश जी मेहता	बड़ीसादड़ी	1 लाख

प्रवास के दौरान इदं न मम के सदस्यों के सौजन्य से घोषित राशि

1.	श्री राजेंद्र जी देरासरिया	नवसारी	11,000
2.	श्री शांतिलाल जी दिनेश जी पिछोलिया	वडोदरा	5,100
3.	श्री सोहनलाल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	5,100
4.	श्री रोशनलाल जी लोढ़ा	चित्तौड़गढ़	5,100
5	श्री आदित्येन्द्र जी सेठिया	चित्तौड़गढ़	5,100
6	श्री मोहनलाल जी बंब	लसड़ावन	5,000
7	श्री रमेश चंद जी देरासरिया	नवसारी	3,100
8	श्री अजय कुमार जी पारसमल जी मुणोत	अंकलेश्वर	3,100
9	श्री प्रकाश जी सूरजमल जी पामेचा	अंकलेश्वर	3,100
10	श्री धनराज जी कमलेश जी कोठारी	फतेहपुर	3,100
11	श्री प्रेमसिंह जी पंकजकुमार धीरजकुमार जी	फतेहपुर	3,100
12	श्री वर्धमान जी मारू	फतेहपुर	3,100
13	श्री नवल जी शाह	चित्तौड़गढ़	3,100
14	श्री चांदमल जी	कपासन	3,100
15	श्री चांदमल जी चांडालिया	कपासन	3,100
16	श्री अशोक जी नाहर	चित्तौड़गढ़	2,100
17	श्री शांतिलाल जी जारोली	चित्तौड़गढ़	2,100
18	श्री गौतमलाल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	2,100
19	श्री नवीन जी बरडिया	चित्तौड़गढ़	2,100
20	श्री राकेश जी जेठलिया	चित्तौड़गढ़	2,100
21	श्री बसंतलाल जी कंठालिया	चित्तौड़गढ़	2,100
22	श्री महेंद्र जी सोनी	चित्तौड़गढ़	2,100

23	श्री पुनम जी चंडालिया	चित्तौड़गढ़	2,100
24	श्री शांतिलाल जी	चित्तौड़गढ़	2,100
25	श्री राजेंद्र जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	2,100
26	श्री प्रदीप जी सुराणा	चित्तौड़गढ़	2,100
27	श्री हस्तीमल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	2,100
28	श्री राजेश जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	2,100
29	श्री नवल जी सिंघी	चित्तौड़गढ़	2,100
30	श्री कोमल जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	2,100
31	श्री मदनलाल जी श्रीश्रीमाल	चित्तौड़गढ़	2,100
32	श्री सुशील जी पोखरना	चित्तौड़गढ़	2,100
33	श्री मदनलाल जी सरूपरिया	चित्तौड़गढ़	2,100
34	श्री अशोक जी चंडालिया	कपासन	2,100
35	श्री सुरेश जी दुग्गड़	कपासन	2,100
36	श्री सुरजीत जी चंडालिया	कपासन	2,100
37	श्री मिश्रीलाल जी मारू	कपासन	2,100
38	श्री अशोक जी चपलोत	फतेहपुर	2,100
39	श्री बापुलाल जी लोढ़ा	फतेहपुर	2,100
40	श्री रोहित जी मारू	फतेहपुर	2,100
41	श्री अमित जी मारू	फतेहपुर	2,100
42	श्री प्रियंका जी मारू	फतेहपुर	2,100
43	श्री उदयलाल जी खटोड़	बड़ेसर	2,100
44	श्री शांतिलाल जी संखलेचा	भदेसर	2,100
45	श्री हीरालाल जी खटोड़	भदेसर	2,100
46	श्री बाबूलाल जी नाहर	भदेसर	2,100
47	श्री अभय कुमार जी सरूपरिया	भदेसर	2,100
48	श्री अशोक कुमार जी मोदी	भदेसर	2,100
49	श्री विजय कुमार जी सखपारिया	भदेसर	2,100
50	श्री कमलेश जी फतेहलाल जी चावत	लसड़ावन	2,100
51	श्री बाबुलाल जी जारोली	लसड़ावन	2,100
52	श्री सागरमल जी जीवनलाल जी बंब	लसडावन	2,100
53	श्री जसवन्त जी डोशी पुत्र भंवरलाल जी	बिनोता	2,100
54	श्री हस्तीमल जी चपलोत पुत्र मांगीलालजी	बिनोता	2,100
55	श्री प्रकाशचंद जी मुणोत पुत्र सवाईलाल जी	बिनोता	2,100
56	श्री लक्ष्मीलाल जी छाजेड़	चिकारड़ा	2,100

57	श्री रोशनलाल जी कोठारी	चिकारड़ा	2,100
58	श्री पारसमल जी कोठारी	चिकारड़ा	2,100
59	श्री अशोक जी कोठारी	चिकारड़ा	2,100
60	श्री ऋषभ जी मुरड़िया	कानोड़	2,100
61	वीना जी सुरेश जी दक	कानोड़	2,100
62	सुमन जी सहलोत	कानोड़	2,100
63	श्री वीरेंद्रजी कंठालिया	कानोड़	2,100
64	श्री अनिल जी भानावत	कानोड़	2,100
65	संगीता जी हेमन्त जी नन्दावत	कानोड़	2,100
66	श्री विजय कुमार जी अमर चंद जी मेहता		2,100
67	श्री प्रकाश चंद जी मदन जी धींग	निम्बाहेड़ा	2,100
68	श्री सतीश जी फत्तेचंद जी राखेचा	सेलम्बा	2,100
69	श्री रावरलाल जी भंवरलाल जी चौपड़ा	सेलम्बा	2,100
70	श्री अमृतलाल जी सिरेमल जी भंसाली	सेलम्बा	2,100
71	श्री कंवरलाल जी भंवरलाल जी चौपड़ा	सेलम्बा	2,100
72	श्री अरिहंत जी नाहर	वडोदरा	2,100
73	श्री वरुण जी भंडारी पारसमल जी मुणोत	वडोदरा	2,100
74	श्री गौतम चंद जी गांधी	अंकलेश्वर	2,100
75	श्री जयंतीलाल जी गांधी	अंकलेश्वर	2,100
76	श्री हस्तीमल जी	बारडोली	2,100
77	श्री संपतलाल जी गन्ना	बारडोली	2,100
78	श्री बाबूलाल जी असद	बारडोली	2,100
79	श्री रामलाल जी		2,100
80	श्री सतीश कुमार जी मोदी	नवसारी	2,100
81	श्री दर्शन कुमार जी छाजेड़	नवसारी	2,100
82	श्री राजेंद्र कुमार जी मुणोत	नवसारी	2,100
83	श्री राजेंद्र जी छाजेड़	नवसारी	2,100
84	श्री विनोद जी बरड़िया	नवसारी	2,100
85	श्री भूपेश कुमार जी देरासरिया	नवसारी	2,100
86	श्री प्रवीण कुमार जी मोदी	नवसारी	2,100